SHAKUNTALAM INSTITUTE OF TEACHERS EDUCATION

KIRHINDIH, KUMHAU STATION ROAD, SHIVSAGAR

COURSE NAME – B.Ed. 2nd year SESSION – 2020 - 2022

SUBJECT - Assessment for learning

TOPIC NAME – Assessment of learning and Assessment for learning and "pattern of evaluation"

DATE - 12-01-2022

मुल्यांकन का प्रतिमान "OF, For, As, In"
Pattern of Evaluation

v.v.i

① अधिगम का मुल्यांकन [Evaluation of learning]

↳ एक छात्र अन्य छात्र के ज्ञान, मनोवृत्ति या कौशलों का वर्णन या मात्रा, ज्ञान करने का प्रयास करता है। इसमें अध्यापक के निर्देश देने की क्षमता सर्वोपरि है।

v.v.i

② अधिगम के लिए मुल्यांकन [Evaluation for learning]

↳ इसमें छात्र के अंक तथा ग्रेडिंग देने की तुलना में उपयोगी सलाह देने पर अधिक बल दिया जाता है। इसमें छात्र के सफलता हुए स्तर शामिल है। [सिखने के प्रक्रिया के दौरान] इसमें अध्यापक का मार्गदर्शन और सहयोग कक्षा - कक्ष के दौरान शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के समय हमेशा सतत चलता रहता है।

③ अधिगम के रूप में मूल्यांकन [Evaluation as learning] / अधिगम के स्थान पर]

↳ • इसमें सम्भवतया सैद्धान्तिक मूल्यांकन के साथ सबसे अधिक जुड़ा हुआ है।

• इसमें सूचित अधिगम (Inborn learning) पर बल दिया जाता है। v.v.i

• यह स्वयं मूल्यांकन पर अधिक बल दिया जाता है।

• इसमें छात्र अपने अधिगम और अन्य लोगों के अधिगम के बारे में गुणवत्तापूर्ण सूचना उत्पन्न करने के लिए अधिक दायित्व लेते हैं।

• यह "Self evaluation" पर अधिक बल के साथ-साथ बच्चे खुद का एक औपचारिक evaluation भी कर लेते हैं।

④ अधिगम में मुल्यांकन (evaluation in learning)

↳ • इसमें अध्यापन तथा अधिगम के केन्द्र में प्रश्न रखता है।

• इसमें अध्यापन को सही उत्तर पर केन्द्रित न करके एक उपयोगी प्रश्न पर केन्द्रित करता है।

• पृच्छताछ के जरिए छात्र इन प्रक्रियाओं में लिप्त होते हैं, जो इनके अधिगम के बारे में प्रतिपुष्टि लेते हैं।

• इसमें अन्य अधिगम कार्यकलापों के निर्माण पृच्छताछ की दिशा अन्य प्रश्नों को जन्म देने में योगदान देता है।

अधिगम के लिए मूल्यांकन
Evaluation for Learning

- अधिगम के लिए मूल्यांकन में छात्र की स्वायत्तता के बढ़े हुए स्तर शामिल हैं,
- लेकिन इसमें अध्यापक का मार्गदर्शन और सहयोग अपेक्षित है।
- अधिगम के लिए मूल्यांकन में 'निर्माणात्मक मूल्यांकन' के रूप में देखा जाता है जो इसे अध्ययन के रूप में देखा जाता है।
- छात्रों के अंक तथा ग्रेडिंग देने की तुलना में [उपयोगी सलाह देने पर] अधिक बल दिया जाता है। - पेज no- (25) (26) मेरा पेपर
- अधिगम के लिए आकलन अधिगम पूर्ण होने की अपेक्षा अधिगम की अवधि से ही होता है। विद्यार्थी निश्चित रूप से जानते हैं कि उन्हें क्या अधिगम करना है, उनसे क्या आशा है और वे अपने कार्य में सुधार कैसे करें, के संबंध में उन्हें प्रतिपुष्टि और सलाह दी जाती है।
- विद्यार्थी क्या जानते हैं
- उनमें क्या भ्रान्तियाँ, पूर्वधारणाएँ या कमियाँ हैं के संबंध में जानने के लिए "अधिगम के लिए आकलन" किया जाता है।

⇒ अधिगम के लिए आकलन में "निर्माणात्मक मुल्यांकन" को देखा जाता है।

- निर्माणात्मक मुल्यांकन इकाई के निर्देशन के सम्पूर्ण होने से पहले अधिगम कठिनाइयों को पहचानने के लिए प्रयोग किया जाता है।
- निर्माणात्मक मुल्यांकन अधिगम में होने वाले कठिनाइयों की सुचनाएँ प्रदान करता है एवं इस कठिनाइयों को दुर करने के लिए उपचारात्मक शिक्षण को दिशा प्रदान करता है। को प्रभावी बनाता है।
- निर्माणात्मक मुल्यांकन शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाता है। कुछ प्रश्नों के उत्तर ढुंढने का प्रयास किया जाता है
- निर्माणात्मक मुल्यांकन से कुछ प्रश्नो के

⇒ विशेषताएँ

- रुप देय मूल्यांकन में अधिगम की एक विशेष इकाई का चयन किया जाता है
- इन इकाई तत्वो का विश्लेषण किया जाता है

Ex:- i विषय सामग्री

ii विद्यार्थी का व्यवहार

iii विषय - सामग्री से संबंधित प्राप्त किये जाने वाले उद्देश्य

- शिक्षण अधिगम को अधिक प्रभावी बनाता है।

- अधिगम की प्रेरणा देना।
- पुनर्बलन प्रदान करना।
-

निर्माणात्मक / रूप देय मुल्यांकन के लाभ

- शिक्षण प्रक्रिया के दौरान कक्षा - कक्ष में बच्चो के अधिगम कठिनाइयों को पहचानने में सहायक ——
  - इसका मुख्य संकेत सीखने और सीखाने की प्रक्रिया से है।
  - यानि कक्षा-कक्ष में बच्चे ने क्या सीखा, कैसे सिखा, कितना अधिगम किया, और व्यवहारिक जीवन में कैसे प्रयोग करता है इसी सब कठिनाइयों का संकेत देता है।
  - इन कठिनाइयों को दूर करने के लिए शिक्षण सूत्र, शिक्षण विधियाँ, उचित अनुदेशन सामग्री और प्रेरणा की प्रक्रिया को उपलब्ध कराया जाए।
- कक्षा-कक्ष प्रक्रिया के दौरान पुनर्बलन प्राप्त करना ——
  - कक्षा - कक्ष के दौरान या इकाई के अन्त में जो आप बच्चो का मुल्यांकन लिए है उस परिणाम के आधार पर बच्चो को पुनर्बलन प्रदान करना चाहिए।
  - कक्षा - कक्ष में पुनर्बलन का प्रयोग बच्चो को अधिगम के लिए प्रेरित करते है।
- अधिगम को बढ़ावा देने में सहायक ——
  - कक्षा-कक्ष या इकाई के पश्चात् निर्माणात्मक मुल्याकन का प्रयोग करते है तो बच्चो को उचित समय पर उचित एवं आवश्यक प्रयत्न करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरणा प्राप्त हो सकती है।
  - अधिगम को प्रभावी बनाता है।
- विद्यार्थी और अध्यापक दोनो के लिए निर्माणात्मक / रूप देय मुल्यांकन प्रतिपुष्टि (feedback) प्रदान करता है।
- निर्मात्मक मुल्यांकन विद्यार्थियों के उद्देश्य, अधिगम के क्रम, ग्रेड, श्रेणी, एवं लक्ष्य स्थापित करने में सहायक होती है।